बी०ए० ऑनर्स (हिंदी)

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

पूर्णांक ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन १० अंक
समय ३ घंटे

खंड-१

भाषा की परिभाषा
भाषा की प्रकृति
भाषा की व्यावहारिक व्यवस्था
भाषा–अध्ययन की दिशाएँ

खंड-२

पश्चिमी हिंदी की बोलियों (ब्रज, कौरवी, हरियाणवी, कन्नौजी, बुंदेली) का परिचय
पूर्वी हिंदी की बोलियों (अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी) का परिचय
मानक हिंदी की विशेषताएँ

खंड-३

हिंदी स्वर–व्यंजन ध्वनियों का सामान्य परिचय
हिंदी शब्दों का वर्गीकरण
हिंदी वर्तनी

खंड-४

हिंदी पद और पद– भेद
समस्त पद
अर्थ परिभाषा एवं शब्द–अर्थ–संबंध
अर्थ–परिवर्तन की दिशाएँ

खंड-५

नागरी लिपि का वर्तमान–स्वरूप
नागरी लिपि की विशेषताएँ
नागरी लिपि का मानवीकरण

निर्देश

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १२ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ४८ अंक का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सहायक पुस्तकें-

१ भाषा विज्ञान – डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली ।

२ भाषिकी – डॉ० देवीशंकर द्विवेदी ।

३ भाषाविज्ञान एवं हिंदी–प्रो० नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली ।

४ भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ० देवेन्द्र नाथ शर्मा ।

सत्र २०१०-२०११ से प्रभावी
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
प्रथम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी नाटक

क पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक

१ स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद
२ शम्बूक : जगदीश गुप्त

ख पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

स्कन्दगुप्त

१ 'स्कन्दगुप्त' में राष्ट्रीयता की भावना
२ 'स्कन्दगुप्त' की पात्र–योजना
३ 'स्कन्दगुप्त' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय
४ 'स्कन्दगुप्त' की अभिनेयता
५ नाटककार जयशंकर प्रसाद का परिचय

शम्बूक

१ 'शंबूक' का प्रतिपाद्य
२ 'शंबूक' की पात्र योजना
३ 'शंबूक' का काव्य रूप
४ 'शंबूक' की प्रासंगिकता
५ जगदीश गुप्त का साहित्यिक परिचय

निर्देश

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित दोनों पाठ्य पुस्तकों में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं पांच प्रश्नों का लगभग २०० शब्दों में उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सत्र २०१०-२०११ से प्रभावी
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
द्वितीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

तृतीय प्रश्न पत्र : हिन्दी उपन्यास

क पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास

१ त्यागपत्र : जैनेन्द्र कुमार
२ महाभोज : मन्नू भण्डारी

ख पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

त्यागपत्र

१ 'त्यागपत्र' का मूल प्रतिपाद्य
२ 'त्यागपत्र' की पात्र योजना
३ 'त्यागपत्र' की उपन्यास कला
४ 'त्यागपत्र' की प्रासंगिकता
५ जैनेन्द्र कुमार का साहित्यिक परिचय

महाभोज

१ 'महाभोज' का उद्देश्य
२ 'महाभोज' की पात्र योजना
३ 'महाभोज' नामकरण की सार्थकता
४ 'महाभोज' की उपन्यास कला
५ मन्नू भण्डारी का साहित्यिक परिचय

निर्देश

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित दोनों पाठ्य पुस्तकों में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं पांच प्रश्नों का लगभग २०० शब्दों में उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।